एक वार माँ आ जाओ

(देख तेरे भक्तों में, माँ किस कदर अंधेर है,
जल्द पर्दे से निकल, माँ करी क्यों देर है।
आजा कि जिंदगानी का, पहलु बदल न जाए,
कहीं तेरे आते आते, मेरा दम न निकल जाए ॥)

एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना ॥*
*एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना,
मईया,,, फिर आ के चली जाना,
हमे दरस दिखा जाओ ॥, दिखला के चली जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।

तुमको मेरे गीतों का, संगीत बुलाए माँ ॥
मईया,,, संगीत बुलाए माँ,
कुछ मेरी भी सुन जाओ ॥, कुछ अपनी सुना जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।

जब जब भी बुलाओगी, दरबार में आऊँगा ॥
मईया,,, दरबार में आऊँगा,
गर राह भटक जाऊँ ॥, मुझे राह दिखा जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।

क्या मेरे तड़पने का, अहसास नहीं तुम को ॥
मईया,,, अहसास नहीं तुम को,
किस बात पे रूठी हो ॥, इतना तो बता जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।

अख्खियाँ मेरी रोती माँ, इन्हे धीर बंधा जाओ ॥
मईया,,, इन्हे धीर बंधा जाओ,
मंझधार में है नईया ॥, इसे पार लगा जाना,,,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।
धीमी सुर में:-
मंझधार में है नईया ॥, इसे पार लगा जाना,
"एक वार माँ आ जाओ, फिर आ के चली जाना"।
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18803/title/ek-vaar-maa-aa-jao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |